दिनांकः 06.09.2013

सेवा में,

सम्पादक,

नवभारत टाइम्स, लखनऊ

E-mail: nbtlucknow@gmail.com

विषयः नाज़–ए–लखनऊ के लिए प्रस्ताव।

महोदय,

हममे से यदि किसी ने अपने घर के बाहर या पार्क में एक पौधा लगाया है तो वह समझ सकता है कि घर के बाहर या पार्क में तथा सड़क पर पौधा लगाकर उसे सुरक्षित रखना और पानी डालना कितना कठिन व चुनौतीपूर्ण कार्य होता है क्योंकि पौधे को कई वर्षों तक आवारा व छुट्टा जानवरों से सुरक्षित रखने व बचाने के साथ–साथ, उसमें नियमित तौर से पानी डालना, खास तौर में तपती गर्मियों के मौसम में लखनऊ शहर में एक छोर से दूसरे छोर तक पानी डालना एक बहुत बड़ी चुनौती होती है। यही कारण है कि हमारे देश में प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में पौधे तो लगाये जाते हैं लेकिन पौधरोपण के पश्चात् उसकी नियमित देखभाल, सिंचाई व सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम व व्यवस्था नहीं की जाती है जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में रोपित पौधे पहले वर्ष में ही देखरेख के अभाव में नष्ट हो जाते हैं, जिसके कारण पौधों व वृक्षों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पा रही है।

लेकिन इस समस्त कठिन चुनौतियों का मुकाबला करते हुए, लखनऊ शहर में सड़कों के किनारे व रोड डिवाइडरों पर, बहुत बड़ी संख्या में पौधों को लगाकर, उनकी सिंचाई व देखभाल करके एक विकसित स्वरूप प्रदान करने का कार्य हरियाली संस्था के द्वारा किया जा रहा है जो कि जनकल्याणकारी होने के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अत्यन्त सराहनीय है। अमूमन हमलोग वनीकरण व पर्यावरण संरक्षण के विषय पर गंभीर चर्चायें व अपील तो नियमित तौर पर करते हैं लेकिन हक़ीकत यह है कि यदि पर्यावरण को स्वच्छ व स्वस्थ रखना है तो हरियाली की भाँति पौधों की सुरक्षा प्रदान करके, लोहे के ट्री–गार्ड लगाकर, उनकी नियमित देखभाल व सिंचाई का कार्य करके ही वनीकरण के क्षेत्र को बढ़ाया जा सकता है और इस कार्य को अत्यन्त सफलतापूर्वक ढंग से हरियाली संस्था ने लखनऊ व कानपुर शहर तथा अन्य स्थानों पर में बिना किसी शासकीय आर्थिक सहायता व अनुदान के सफलतापूर्वक क्रियान्वित करके यह सिद्ध कर दिया है कि वनीकरण के इस महत्वपूर्ण कार्य का जनसहभागिता के माध्यम से साकार रूप प्रदान किया जा सकता है।

इस संदर्भ में मैं इस संस्था के संस्थापक श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव का परिचय वृत्तांत आपके सम्मानित समाचार पत्र के 'नाज ए लखनऊ' कॉलम के लिए प्रेषित कर रहा हूँ जिनके

अथक प्रयासों से आज लखनऊ शहर एक हरे–भरे शहर के रूप में तब्दील हो रहा है। आज जहाँ, हममें से अधिकांश व्यक्ति पर्यावरण के बारे में गोष्ठी व परिचर्चा करके पर्यावरण संरक्षण की मुहिम तक सीमित रह जाते हैं उसके विपरीत सुनील कुमार श्रीवास्तव जी ने वृक्षारोपण जैसे अत्यन्त कठिन कार्य को जमीनी स्तर पर हकीकत में करके दिखाया है कि वह वास्तव में सही अर्थों में धरती माँ की सेवा कर रहे हैं, इसके साथ–साथ हरियाली के ट्री गार्डों पर पर्यावरण संरक्षण, वनीकरण जल संवर्धन, व सामाजिक सरोकारों के भी संदेश लिखे रहते हैं जो समाज में जन जागरण का एक और कार्य कर रहे हैं। इसके साथ स्कूलों, अनेक सरकारी व गैर सरकारी संगठनों, आवासीय समितियों व व्यक्तियों को भी बड़े पैमाने पर पौधों के निःशुल्क वितरण का भी कार्य एक नियमित कार्य है।

इस महत्वपूर्ण कार्य की समाज के सभी वर्गों के द्वारा व्यापक प्रशंसा व सराहना की गई है, अनेक राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से हरियाली संस्था व सुनील कुमार श्रीवास्तव जी को सम्मानित किया गया है व अनेकों समाचारपत्रों व पत्रिकाओं में इस संबंध में अनेकों वृतांत व लेख प्रकाशित हो चुके हैं, जो इस आलेख के साथ संलग्न किये जा रहे हैं। आजादी की 67 वर्षों के दौरान लखनऊ शहर को हरा–भरा बनाने के अनेक प्रयास किये गये लेकिन शहर में पर्याप्त संख्या में पेड़ों की संख्या में वृद्धि नहीं दिखी लेकिन सुनील कुमार श्रीवास्तव जी द्वारा स्थापित हरियाली के 20 वर्षों की मेहनत से आज लखनऊ शहर हरा–भरा नज़र आने लगा है और इस दिशा में किये गये प्रयासों में प्रत्यक्ष रूप से दिखने वाला एक स्पष्ट प्रयास है और किसी भी व्यक्ति या संस्था के द्वारा इस प्रकार का जमीनी व चुनौतीपूर्ण कार्य अभी तक लखनऊ व अन्य शहरों में नहीं किया गया है। हरियाली के यह प्रयास, जो कि बिना किसी शासकीय अनुदान या सहायता के माध्यम से जनसहभागिता के माध्यम से किया गया है, पूरे भारत वर्ष के लिए एक अनुपम उदाहरण है।

अतः आपसे निवेदन है कि श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव, संस्थापक हरियाली संस्था के प्रयासों को जनमानस तक पहुँचाने की कृपा करें ताकि वनीकरण के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्ति प्रोत्साहित होकर धरती माँ को सुरक्षित रखने में बड़ा सहयोग करते रहे।

सधन्यवाद,

भवदीय